रात्रिक्लास 21-5-68 ओमशान्ति शिव बाबा याद है?

मीठे2 स्वानो बच्चे आये हैं बाप के पास क्या सीखने?क्योंकि यह है वेहद का बाप ज्ञान का सागर, लव का सागर। हर बातमें सागर बनाते हैं।कांटों से बाप फूल बनाते हैं। और कोई कैरेक्टर सुधार न सके।कोई ताकत नहीं है जो जो मनुष्यों को देवी गुण धारण करा सके। सिवाय बाप के बच्चों और कोई आसुरी गुण बदल न सके।यह है ही आसुरी सम्प्रदाय। उनको ही दैवी सम्प्रदाय बनाना है। आसुरी सम्प्रदाय दैवी सम्प्रदा के आगे नमन करते हैं। आप सर्व गुण सम्पन्न हो।× . . . अहिंसा परमोधर्म वाले देवी -देवतायें हो। तुम भी यह बन रहे हो। कौन बना रहे हैं।बाप। और कोई बना न सके।मनुष्य को हेल्दी बनाने लिए कितना खर्चा करते हैं। तुमको स्वर हेल्दी बनाने में क्या खर्चा होता है। एक नया पैसा।देवतायें स्वर हेल्दी हैं ना।तुम आते हो स्वर हेल्दी बनने। एक बिगर कोई सर्व की स्वर हेल्दी बना न सके। तुम स्वर हेल्दी बनते हो। मुक्तिधाम में वह भी स्वर हेल्दी हैं।यहां है जंगल।सर्व गुण सम्पन्न . . . अभी तुम बन रहे हो।कौन बना रहे हैं बाप, दादा द्वारा। बाप दादा कहां?(सामने)शिव बाबा कहां है?नीचे है?ऊपर में नहीं है?भक्त इतना भगवान को याद करते हैं वह ऊपर में नहीं है? ऊपर में भी है नीचे भी है।तो दो हो गया।गाट इज बन कहा जाता है।अगर यहां है तो भक्त किसको याद करते हैं। अभी यहां है कल कहां होगा। तुम्हारे लिए ऊपर में नहीं है?यह है मर्जे के प्रश्न।भक्ति मार्ग में ऐसे प्रश्न कब पूछ नहीं सकते।यह है ज्ञान की भाषा।इनको भक्त समझ न सके।बाप है ही एक जो इन द्वारा मनुष्य से देवता बनाते हैं।देवताओं में सभी गुण हैं।उनको कहा जाता है दैवी गुण वाले।गुण बाप ही भरते हैं। आसुरी गुण वाले कुछ भी कर न सके।कभी दैवीगुण धारण करा न सके।जो थोड़े अच्छे होते हैं तो कहते हैं ना देवताओं जैसे गुण है।देवता नहीं है है मनुष्य।परन्तु उन्हें को बाप ने फूल बनाया।यहां तो सभी कांटे ही कांटे है। जो खुद ही सुधरे हुये न है तो दूसरे को कैसे सुधारेंगे।कायदा भी नहीं।यह है ओल्ड वर्ल्ड।तुम बैठे हो संगम पर।भल दुनिया यही है परतुम्हारी बुद्धि हम संगम युग पर है। बाप हमको ऐसा बना रहे हैं।ड्रामा के प्लैन अनुसार। हर 5000वर्ष बाद बाप बच्चों को जो सम्मुख आकर पहचानते हैं उनको बच्चे कहते हैं। जो नहीं पहचानते हैं उनके लिए तो सर्व है। जब तकब्राह्मण न बने तब तक देवता बन न सके। पुरुषोत्तम संगम पर बाप से पुरुषोत्तम बनें तो देवता बन न सके।गीता में बाप कहते हैसत्य मैं ही हूं। मैं ही बच्चों को सत्य बताता हूं। बाप के प्लैन अनुसार पूरे टाईम पर आते हैं।एक मिनट भी आगे पीछे नहीं हो सकता। आज मंगल में 10 मिनट है 2 मिनट बाद कहेंगे 10 में आठ मिनट है।ऐसे ही चक्र फिरता रहता है।सारा चक्र फिरता ही गया है।5000वर्ष पूरे होंगे फिर पहले से शुरु होंगे। यह भी ड्रामा है जिसको अच्छी रीति जाना है।वर्ल्ड की हिस्ट्री जागराफी रिपीट होती है।रिपीट होता ही रहता है।चक्र फिरता ही रहता है। युगों की आयु आदि कोई नहीं जानते। अभी बाप तुम बच्चों को समझाते हैं। सभी तो ज्ञान सागर बनेंगे। यह राजधानी स्थापन हो रही है।तुम आये हो नर से ना0 बनने। सभी तो राजा नहीं बन सकते तुम यहां बैठे बुधियोगबल ज्ञान बल से राजाई स्थापन कर रहे हो।और कोई की बुधि में नहीं है।योगबल पवित्रता बल पढ़ाई से राजधानी स्थापन कर रहे हैं। पढ़ाई की एमआबजेक्ट ही यह है।भगवानुवाच मैं तुम राजाओं का राजा डबल सिरताज बनाता हूं।गोया डोटी डिनायस्टी जो थी वह अभी नहीं हैं। फिर से स्थापन कर रहा हूं।वर्ल्ड की हिस्ट्री जागराफी तुम ब्राह्मण ही जानते हो शूद्र नहीं।वर्ण है ना। जो बापके आने बनते हैं उनको ले आते हैं।सम्पूर्ण तो कोई बना नहीं है।सम्पूर्ण बन जायेंगे तो नई दुनिया जरूर चाहिए। रावण का जेल है बाप इन जेल से छुड़ाने लिए बड़ा बैरिस्टर हुआ है।सारी दुनिया रावण के जेल में पड़ी तमोप्रधान है रावण राज्य, सतोप्रधान है रामराज्य। बाप क्या आकर करते हैं तो तुम समझते हो।प्रदर्शनी में बाद में प्रजा बहुत बनती है।बाप का कहना है जो ज्ञान सुनते हैउसका विनाश नहीं होता। अच्छा गुड